



कुमारभास्करवर्मसंस्कृत-पुरातनाध्ययनविश्वविद्यालयः
কুমার ভাস্কর বর্মা সংস্কৃত জ্ঞান পুৰাতন অধ্যয়ন বিশ্ববিদ্যালয়
Kumar Bhaskar Varma Sanskrit & Ancient Studies University

Namati, Nalbari-781337

Website: www.kbvsasun.ac.in :: Email Id: kbvsasun@rediffmail.com

व्याख्यानकार्यक्रमः

लिङ्गसंवेदीकरणम्

Lecture Programme:
GENDER SENSITIZATION
5TH OCTOBER, 2023



75
स्वतन्त्रतायाः अमृतमहोत्सवः



प्र
ति
वे
द्य
न
म्

R
E
P
O
R
T



Jointly Organized by

Women's Forum & IQAC
KBV Sanskrit & Ancient Studies University



कुमारभास्करवर्मसंस्कृत-पुरातनाध्ययनविश्वविद्यालयः

কুমার ভাস্কর বর্মা সংস্কৃত জ্ঞান পুরাতন অধ্যয়ন বিশ্ববিদ্যালয়

Kumar Bhaskar Varma Sanskrit & Ancient Studies University



GENDER SENSITIZATION LECTURE PROGRAMME

ON

ISSUES OF GENDER AND SEXUALITY

Date: 5th October 2023 Time: 12:00 noon

Venue: Conference Hall, 1st Floor, Administrative Building

Jointly organized by

**Women's Forum
&
IQAC, KBVS&AS University**

RESOURCE PERSON



Rituparna Neog

Founder Director, Akam Foundation
Associate Vice Chairperson, State Transgender Welfare
Board, Govt. of Assam

ORGANIZING COMMITTEE

| | | |
|-----------------------|---|--|
| Chief Advisor | : | Prof. Pralhad R. Joshi , Hon'ble Vice Chancellor |
| Advisors | : | Dr. Madan Ch. Boro , Registrar, i/c Dr. Ranjeet Kr. Tiwary , Controller of Examinations, i/c |
| Conveners | : | Dr. Krishna Kalita , President, Women's Forum Dr. Chiranjeevi Adhikary , Director, IQAC |
| Coordinator | : | Dr. Papori Boruah , Secretary, Women's Forum |
| Organizing Secretary: | | Mr. Ankur Jyoti Bhuyan , Joint Director, IQAC Dr. Archana Devi , Treasurer, Women's Forum |
| Executive Members | : | Dr. Ankumani Das , Member, Women's Forum Dr. Bornali Borthakur , Member, Women's Forum Dr. Sayanika Deka , Member, Women's Forum Ms. Arpana Ramchiary , Member, Women's Forum Dr. Maitreyee Goswami , Member, Women's Forum Mrs. Mira Kalita Pathak , Member, Women's Forum |
| Technical Assistant | : | Mr. Banajit Rabha |



**Report of
Gender Sensitization Programme in KBVS&AS University**

Date: 5th October 2023

Venue: Conference Hall, KBVS&AS University

The Women's Forum and IQAC, Kumar Bhaskar Varma Sanskrit and Ancient Studies University jointly organized a Gender sensitization Programme on 5th October 2023. Two activities were included under it—an essay-writing competition among the students of PG, FYUG and Integrated programmes on the theme “Transgender Rights and Social Inclusion” and a Lecture Programme on “Issues of Gender and Sexuality”. A total of 30 essays were submitted by students. The lecture programme began with the *Mangalacharan* by the students of the University. After this, the President of Women's Forum, Dr. Krishna Kalita welcomed the invited guest and the gathering. The resource person of the lecture programme, Rituparna Neog, Founder Director of Akam Foundation and Vice Chairperson of State Transgender Welfare Board was felicitated with a *Gamusa* and a *Xorai*. The programme was graced by Hon'ble Vice Chancellor of the University, Prof. Pralhad R. Joshi who delivered the inaugural speech, the Registrar, Dr. Madan Chandra Boro and the Controller of Examinations, Dr. Ranjeet Kr.Tiwary. Dr. Chiranjeevi Adhikary, Director, IQAC presented the objectives of the lecture programme and highlighted the importance of gender sensitization in the present context. The resource person explained very lucidly the conceptual, theoretical and practical meaning of gender and sex with interesting illustrations from real life contexts. She also justified the importance of understanding these concepts in the present situation for inclusive development. The lecture was followed by a lively interactive session with the students. After this, the prizes were distributed for essay-writing competition. First prize was shared by Ms. Kakali Devi, Department of Political Science and Papori Maral, Department of Philosophy. Second prize was shared by Suman Barman, Department of Assamese and Lumani Das, Department of Philosophy. Third prize went to Prachi Kalita, Department of Assamese. The programme was coordinated by Dr. Papori Boruah, Secretary of Women's Forum and hosted by Dr. Ankumani Das, Member of Women's Forum. It concluded with offering of vote of thanks by Dr. Archana Devi, Treasurer of Women's Forum. A total of 248 students attended the programme along with 31 faculty members and other staff.



चित्रवीथिका (Photo Galary)



FFP5+J6R, Khudrakatla Barkuchi, Assam 781337, India

Khudrakatla Barkuchi

Assam

India

2023-10-05(Thu) 12:17(pm)

27°C

81°F







FFP5+J6R, Khudrakatla Barkuchi, Assam 781337, India

Khudrakatla Barkuchi
Assam
India

2023-10-05(Thu) 12:52(pm)

27°C
81°F



Google



FFP5+J6R, Khudrakatla Barkuchi, Assam 781337, India

Khudrakatla Barkuchi
Assam
India

2023-10-05(Thu) 12:52(pm)

27°C
81°F



Google

कुमारभास्करवर्म-संस्कृत-पुरातनाध्ययन-विश्वविद्यालये

लिङ्ग-संवेदीकरणमिति विषये एकदिवसीयो व्याख्यानकार्यक्रमः



(वार्ताहरः श्रीनिशिकान्तपाण्डेयः)

नलबारी। नलबारीस्थितस्य कुमार-भास्कर-वर्मसंस्कृतपुरातनाध्ययन-विश्व-विद्यालयस्य महिलामञ्च-आन्तरिक-गुणवत्ता-श्वासन-केन्द्रयोः संयुक्त-तत्त्वावधानेन ०५ अक्टोबर् २०२३ दिनाङ्के "लिङ्ग-संवेदीकरण-समस्याश्च" इति विषये एकदिवसीय-व्याख्यान-कार्यक्रमस्य आयोजनम् अभवत् । व्याख्यान-कार्यक्रमस्य छात्राणां वैदिकमन्त्रोच्चारणेन आरम्भोऽभूत् ।

सभागारे उपस्थितजनानाम् अतिथिनाञ्च वाचिकं स्वागतं महिला-मञ्चस्य अध्यक्ष डॉ. कृष्णा कलिता कृतवती। तदनन्तरम् छात्रा आमन्त्रितस्य

अतिथेः अङ्गवस्त्रं स्मृतिचिह्नञ्च प्रदाय सम्मानं कृतवत्यः। व्याख्यान-कार्यक्रमस्योद्घाटनं कुर्वन् कुलपतिः आचार्यः प्रह्लाद रा. जोशिमहोदयः "मनुस्मृति" इत्यादिषु ग्रन्थेषु स्त्रियाः विषये प्राप्ततथ्यानां, वैदिककालस्य विदुषी गार्गी एतासाञ्च उल्लेखं कुर्वन् स्ववक्तव्ये प्राचीनकालादेव स्त्रियाः वैदिकशास्त्रपठनस्य अधिकारः अस्ति इति उक्तवान्।

आन्तरिकगुणवत्ताश्वासनकेन्द्रस्य निदेशकः डॉ. चिरञ्जीवी-अधिकारी स्वव्याख्याने व्याख्यानकार्यक्रमस्यायोजन-स्योद्देश्यं विश्वविद्यालये लिङ्ग-संवेदीकरणं प्रति

जागरूकोत्पादनमित्यवोचत्। कुलसचिव (प्र.) डॉ. मदनचन्द्र बोरो स्वसम्बोधने कार्यक्रमस्य महत्त्वं व्याख्यातवान्।

मुख्यवक्त्ररूपेण आमन्त्रिता अकाम फाउण्डेशनस्य संस्थापकनिदेशिका अपि च असमस्य राज्यस्य ट्रान्जेंडर-कल्याणमण्डलस्य सह-उपाध्यक्षा ऋतुपर्णा नेऊग प्रायेण सार्धघण्टायाः स्वस्य प्रवाहपूर्णभाषणे स्वजीवनस्य विभिन्नपक्षेषु घटितानाम् अनेकानां घटनानां स्मरणं कुर्वन्ती सरलतमप्रक्रियायाः माध्यमेन महिलासशक्तीकरणद्वारा भारते प्रचलितानां लैङ्गिक-यौन-समस्यानाम् उन्मूलनं कर्तुं बलम् अदात्। सा स्वसम्बोधनानन्तरं छात्रैः सह विचारविनिमयं कृत्वा कार्यक्रमम्

अधिकं रूचिकरं कारितवती।

कार्यक्रममुद्दिश्य छात्राणां मध्ये निबन्धलेखनप्रतियोगिता आयोजिता आसीत्, तत्र प्रथम-द्वितीय-तृतीय-स्थानं प्राप्तवद्भ्यः प्रतियोगिभ्यः मञ्च-स्थातिथिभिः पुरस्कारवितरणं कृतम्। कार्यक्रमस्य सफलपूर्वकं सञ्चालनं महिला-मञ्चस्य सदस्या डॉ. अङ्कुमणि दास अकरोत् तथा च समागतेभ्यो धन्यवाद-समर्पणं डॉ. अर्चना देवी कृतवती। सभायां परीक्षानियन्त्रक (प्र.) डॉ. रंजीतकुमार-तिवारी, अध्यापिकाः अध्यापिकाः कर्मचारिणः छात्राश्च समुपस्थिता आसन्। कार्यक्रमस्य समापनं राष्ट्रियगानेन राज्यसंगीतेन च अभवत्।

Gender sensitisation programme

CORRESPONDENT

NALBARI, Oct 8: The women's forum and the IQAC of Kumar Bhaskar Varma Sanskrit and Ancient Studies University jointly organised a gender sensitisation programme a couple of days back.

An essay-writing competition among students on the theme 'Transgender rights and social inclusion' and a lecture on issues of gender and sexuality were held.

The programme was attended by university vice chancellor Prahlad R Joshi, who also

delivered the inaugural speech. University registrar Madan Chandra Boro and examination controller Ranjeet Kumar Tiwary were also present.

The keynote lecture was delivered by Akam Foundation founder director and State Transgender Welfare Board vice chairperson Rituparna Neog, who spoke on the conceptual, theoretical and practical meanings of gender and sex with examples from real life. The lecture was followed by an interactive session with students. Later, prizes of the essay competition were distributed.

१५ प्रोफेसर तथा अनलाइन माध्यम से पूरातर श्रवण का आयोजन कायालय से कुल २४ अध्यापक उपस्थित थे। कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यक्रम संस्था बीसीपीएल के अध्यक्ष (हिंदी) रंजन कलिता ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं पुरातनाध्ययन विश्वविद्यालय में लिङ्ग संवेदीकरण पर व्याख्यान कार्यक्रम

प्रे.सं.नलबाड़ी, ६ अक्टूबर : नलबारीस्थित कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं पुरातनाध्ययन विश्वविद्यालय के महिला मञ्च तथा आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक ०५ अक्टूबर, २०२३ को लिङ्ग एवं लैङ्गिकता की समस्याएं विषय पर एकदिवसीय व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम वैदिक मंगलाचरण के साथ आरम्भ हुआ। सभागार में उपस्थित जनसमुदाय एवं अतिथियों का स्वागत महिला मञ्च की अध्यक्ष डॉ. कृष्णा कलिता ने की। तदनन्तर आमन्त्रित अतिथि का सम्मान अह्वय एवं सराई प्रदान कर किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए कुलपति प्रोफेसर प्राज्ञ रा. जोशी ने अपने वक्तव्य में मनुस्मृति आदि ग्रन्थों में नारी के विषय में प्राप्त तथ्यों तथा वैदिक कालीन युग की विदुषी नारी आदि का उल्लेख करते हुए प्राचीन समय से ही महिलाओं को वेदादि शास्त्र पढ़ने का अधिकार होने की बात कही। आन्तरिक गुणवत्ता आश्वासन केन्द्र के निदेशक डॉ. चिरञ्जीवी अधिकारी ने लिङ्ग संवेदीकरण पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजन करने का उद्देश्य विश्वविद्यालयों में लिङ्ग संवेदीकरण पर जागरूकता लाना बताया। कुलसचिव (प्र.) डॉ. मदन चन्द्र बोरो ने अपने उद्घोषण में कार्यक्रम की सार्थकता को प्रतिपादन किए। मुख्य वक्त्री के रूप में आमन्त्रित अकाम फाउण्डेशन की संस्थापक निदेशिका एवं राज्य ट्यूटोरियल कल्याण बोर्ड, असम की सह उपाध्यक्ष त्रिपुणा नेउन ने अपने लगभग डेढ़ घण्टे के धाराप्रवाह उद्घोषण में सरलतम प्रक्रिया से अपने जीवन के विभिन्न पर्यायों में घटित अनेक घटनाओं का स्मरण करते हुए वर्तमान समाज में व्याप्त लिङ्ग एवं लैङ्गिक समस्याओं को नारी सबलीकरण के माध्यम से दूर करने पर जोर दिया। उन्होंने अपने उद्घोषण के अनन्तर छात्रों के साथ मत विनमय कर कार्यक्रम को और रोचक बना दिया। कार्यक्रम के अन्त में अतिथियों द्वारा निबन्धलेखन प्रतियोगिता में विजयी प्रतिभागियों को पुस्कार प्रदान कर उत्साह वर्धन किया गया। कार्यक्रम का सफल सञ्चालन महिला मञ्च की सदस्या डॉ. अंजुमणि दास ने की तथा सभागार का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अर्चना देवी ने की। कार्यक्रम में परीक्षानियन्त्रक (प्र.) डॉ. रणजीत कुमार तिवारी, विश्वविद्यालय के अध्यापक-अध्यापिकाएं, छात्र-छात्राएं, कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।



दुमदु
बिल

दुमदुमा
कासेस
के दुमदु
बदोती
(एपीटी)
विद्यालय
कहा कि
विपरीत
मिनाफ
विजली
आमर्ष
बाना
मांग कर
विजली
की हुंकर
भूमि, व
मनु चौह

क

कोकरा
२४ के नि
मैच की